आदरणीय

महोदय,

किसी भी धर्म में किसी गरीब की मदद करना पुण्य का काम माना जाता है। आज भारत मे 700 (सात सौ) बच्चों के बाद एक ऐसे बच्चों का जन्म होता है। जिनके होंट , तालू या दोनों पर जन्म से कटा होता है। इन बच्चों का चेहरा देखने में घिनौंना होता है। इनको सांस लेने मे या दुध पीने में कठनाई होती हैं। बडा होने पर इनकी अवाज खराब हो जाती है। आवाज खराब होने पर दूसरे लोगों को समझ में नही आती है। ज्यादातर ऐसे बच्चे अपने साथियों के भद्‌दे मजाक ना सहने के कारण अपनी पड़ाई अधूरी छोड़ देतें है।

डा. वी. के. मोंगा जो दिल्ली नगर निगम स्वास्थ्य संस्था के चेयरमैन है। आप एक डा. होने के नाते इन बच्चों के दुख से भली भाती परिचित है। आज उनके मार्गदर्शन में नगर निगम और सन्त परमानन्द होस्पीटल नई दिल्ली दोनों ने एक साथ होकर इन बच्चों की सहायता के लिये एक नि:शुल्क कार्यक्रम शुरु किया है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत इन बच्चों को नि:शुल्क आप्रेशन की सुविधा दी जाती है। आप्रेशन के समय इन सभी मरीजों को नि:शुल्क दवाइयाँ और खाना भी दिया जाता है। दूर दराज से आने वाले मरीजों को आने जाने का खर्चे का भी प्रबन्धा हैं यह आप्रेशन केवल प्लास्टीक सजरी द्वारा ही सम्भव है। इसकी सुविधा कुछ ही गिने चुने सरकारी सस्थाओं में उपलब्ध है।

ये कार्यक्रम अमेरिकी संस्था स्माईल ट्रेन के सहयोग से चल रहा है। ईश्वर की कृपा से आज हम इस स्थित में है कि हम कई बच्चों की मदद कर सकें हमारे पास अगर अभाव है तो केवल जनता तक संदेश पहुचाने का इसलिए हम पत्र के द्वारा आपको निवेदन करते है कि यदि आपके क्षेत्रा में कोई ऐसा मरीज हो तो उसको सन्त परमानन्द होस्पीटल सिविल लाईन नई दिल्ली भेजकर नेक कार्य में हमारा सहयोग दें।

निवेदक

डा. शेखर अग्रवाल

कार्यकारी निर्देशक

सन्त परमानन्द होस्पीटल

18, अलीपुर रोड दिल्ली